RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION, AJMER

SYLLABUS OF COMPETITIVE EXAMINATION FOR THE POST OF LECTURER (SCHOOL EDUCATION) RAJASTHANI

PAPER-II

खण्ड–प्रथम (उच्च माध्यमिक स्तर)

1. राजस्थानी भाषा :–

- उद्भव एवं विकास
- राजस्थानी की विभिन्न बोलियाँ (मारवाड़ी, मेवाड़ी, हाड़ौती, बागड़ी, मालवी और मेवाती) का सामान्य परिचय
- राजस्थानी की पहचान के भाषा वैज्ञानिक तत्त्व
- प्रमुख लिपियाँः मुड़ियाँ एवं देवनागरी

2. राजस्थानी भाषा, व्याकरण एवं काव्य–दोष :–

- राजस्थानी वर्णमाला
- संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया संरचना
- राजस्थानी भाषा की विशिष्ट ध्वनियाँ, शब्दों के परिवर्तित रूप एवं अर्थ भेद।
- पर्यायवाची शब्दः तलवार, घोड़ा, ऊँट, पानी, वीर, सूर्य, हाथी, कमल, बादल, भूमि।
- अलंकार : वैण–सगाई और उसके भेद
- छंद : दूहा छंद और उसके भेद
- काव्य दोष : अंधदोष, छबकाल, पांगलो, हीन और निनंग
- शब्द शक्तियाँ : अभिद्या, लक्षणा, व्यंजना।

खंड–द्वितीय (स्नातक स्तर)

3. राजस्थानी साहित्य का इतिहास :–

(i) **आदिकाल** : परिस्थितियाँ, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनका सामान्य परिचय : वज्रसेन सूरि, श्रीधर व्यास, शारंगधर, शिवदास गाडण, नरपति नाल्ह।

(ii) **मध्यकाल** :–

(अ) पूर्वमध्यकाल : परिस्थितियाँ, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनका सामान्य परिचयः ईसरदास, दुरसा आढ़ा, पृथ्वीराज राठौड़, हेमरतन सूरि, माधोदास दधवाड़िया, सायांजी झूला।

(ब) उत्तरमध्यकाल : परिस्थितियाँ, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनका सामान्य परिचयः मीरांबाई, दादूदयाल, सुंदरदास, जांभोजी, जसनाथजी, रामचरणदास, सहजोबाई, गवरीबाई, किसना आढ़ा, मुहणोत नैणसी, नरहरिदास बारहठ, कृपाराम खिड़िया और बाँकीदास।

(iii) **आधुनिक काल** – परिस्थितियाँ, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनका सामान्य परिचयः

(पद्य) : सूर्यमल्ल मीसण, रामनाथ कविया, शंकरदान सामौर, केसरीसिंह बारहठ, महाराज चतुरसिंह, गणेशीलाल व्यास 'उस्ताद', कन्हैयालाल सेठिया, चन्द्रसिंह 'बिरकाली', नारायणसिंह भाटी, सत्यप्रकाश जोशी, गिरधारी सिंह पड़िहार, चंद्रप्रकाश देवल एवं तेजसिंह जोधा।

(गद्य) : शिवचन्द्र भरतिया, मुरलीधर व्यास, सूर्यकरण पारीक, गिरधारीलाल शास्त्री, शिवराज छंगाणी, नेमनारायण जोशी, मनोहर शर्मा, नृसिंह राजपुरोहित साँवर दइया, यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र', गोविन्दलाल माथुर, अन्नाराम सुदामा, लक्ष्मीकुमारी चूंडावत, विजयदान देथा, बैजनाथ पँवार, करणीदान बारहठ, जहूर खाँ मेहर, अर्जुनदेव चारण।

4. राजस्थानी पद्य एवं गद्यः रूपों का सामान्य परिचय :–

पद्य : रासो, वेलि, फागु, चौपाई, पवाड़ा, संधि, बारहमासा, विवाहलो, धमाल, चैत्यपरिपाटी, नीसांणी, गीत एवं सतसई।

गद्य : वचनिका, दवावैत, ख्यात, वात, विगत, पाटनामा, वंशावली, गुर्वावली, बालावबोध, टीका एवं टब्बा।

आधुनिक विधाएँ – कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र एवं डायरी।

5. राजस्थानी लोक साहित्य एवं संस्कृति :–

- लोक गीत, लोक कथा, लोक गाथा, लोक नाट्य, लोकोक्ति (कहावतें एवं मुहावरे)
- लोकदेवी–देवता, लोक उत्सव, (मेले, पर्व एवं तीज त्योहार)

(खंड–तृतीय स्नातकोत्तर स्तर)

6. राजस्थानी काव्य शास्त्र :–

- काव्य हेतु, लक्षण एवं प्रयोजन
- रस सि़द्धांतः रसनिष्पत्ति, साधारणीकरण
- ध्वनि सिद्धांत एवं वक्रोक्ति सिद्धान्त
- रचनाएँ
    1. ढोला मारू रा दूहा (सम्पादक : सूर्यकरण पारीक, ठा. रामसिंह एवं नरोत्तम स्वामी) मारवाणी संदेसा (दूहा सं. 110–210)
    2. मीरां वृहत् पदावली, भाग–1 (सम्पादक : हरिनारायण पुरोहित) (पद संख्या–01 से 50 तक)
    3. बादळी (चंद्रसिंह बिरकाली) (संपूर्ण)
    4. अलेखूँ हिटलर– विजयदान देथा, काँच रो चिलको – यादवेंद्र शर्मा 'चंद्र' (कहानी), कूदणो बाबो–नेमनारायण जोशी (संस्मरण) एवं मारजा – शिवराज छंगाणी (रेखाचित्र)

खंड–चतुर्थ (शिक्षा शास्त्र, शिक्षण–अधिगम सामग्री, कम्प्यूटर एवं सूचना तकनीकी का शिक्षण–अधिगम में उपयोग)

- **शिक्षण शास्त्र एवं शिक्षण अधिगम सामग्री (किशोर अधिगमकर्त्ता हेतु अनुदेशनात्मक रणनीतियाँ)**
  - संप्रेषण कौशल एवं विविध शाब्दिक एवं अशाब्दिक कक्षा–कक्ष संप्रेषण रणनीतियों का प्रयोग/उपयोग
  - शिक्षण प्रतिमान– अग्रिम संगठक प्रतिमान एवं पृच्छा प्रशिक्षण प्रतिमान (सूचना प्रसंस्करण), सामूहिक अन्वेषण (सामाजिक अंतः क्रिया) गैर निर्देशात्मक प्रतिमान (व्यक्तिगत विकास)
  - शिक्षण के दौरान शिक्षण–अधिगम सामग्री का निर्माण एवं प्रयोग
  - सहकारी अधिगम

- **शिक्षण अधिगम में संगणक एवं सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग**
  - आई.सी. टी. (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) का संप्रत्यय एवं डिजिटल अधिगम
  - ई–अधिगम एवं वर्चुअल (आभासी) कक्षा–कक्ष
  - शिक्षण–अधिगम एवं आकलन में प्रौद्योगिकी का एकीकरण

****

For the competitive examination for the post of School Lecturer: -

1. The question paper will carry maximum **300 marks.**
2. Duration of question paper will be **Three Hours**.
3. The question paper will carry **150 questions** of multiple choices.
4. Negative marking shall be applicable in the evaluation of answers. For every wrong answer one third of the marks prescribed for that particular question shall be deducted.
5. Paper shall include following subjects :-
   (i) Knowledge of Subject Concerned: Senior Secondary Level
   (ii) Knowledge of Subject Concerned: Graduation Level.
   (iii) Knowledge of Subject Concerned: Post Graduation Level.
   (iv)Pedagogy, Teaching Learning Material, Use of Computers and Information Technology in Teaching Learning.